Title: Regarding flood situation in Bihar and Assam.

श्री सुकदेव पासवान (अररिया) : अध्यक्ष महोदय, उत्तर बिहार में बाढ़ के कारण सीमावर्ती इलाकों में त्राहि-त्राहि मची हुई है।â€¦ (व्यवधान)

श्री सुशील कुमार मोदी (भागलपुर) : हमें भी मौका दिया जाए।

MR. SPEAKER: I agree with you about the seriousness of the matter. I will give you a chance to speak.

30. **hrs.**

(i) RE: FLOOD SITUATIONS IN BIHAR AND ASSAM

श्री सुकदेव पासवान (अररिया) : हम लोगों का जो इलाका है, अररिया, सुपोल, कटिहार, मधुबनी, भागलपुर, किशनगंज, सीतामढ़ी, सीवान इत्यादि पूरा भयंकर बाढ़ की चपेट में है। वहां नेशनल हाईवे टूट गया है, रेल यातायात ठप है। रेलों के पुल टूट गए हैं। लोग बांधों पर शरण लिए हुए हैं। वहां उनके लिए कोई व्यवस्था नहीं की जा रही है। वहां नावों की कोई व्यवस्था नहीं है। कई दिनों से लोग भूखे-प्यासे पड़े हैं। उनके रहने की कोई व्यवस्था नहीं है। इसलिए अविलम्ब केन्द्र से वहां अधिक से अधिक रुपया भेजा जाए, जो कि सीधे जिलों में भेजा जाए, ताकि लोगों को रहने की और खाने की व्यवस्था की जा सके। हम लोग बार-बार कहते हैं कि जिलों में कोई नाव नहीं है। लोग कई दिनों से एक ही स्थान पर भूखे-प्यासे पड़े हुए हैं, क्योंकि कोई राहत सामग्री नहीं पहुंच पा रही है। इसलिए अविलम्ब केन्द्र से वहां एक टीम भेजी जाए, जो स्थिति की गम्भीरता को देखे। इसके अलावा केन्द्र से वहां जो भी रुपया या खाद्य सामग्री आदि भेजनी है, वह सीधे जिलों को भेजी जाए। वहां हाहाकार मचा हुआ है। रेल सम्पर्क टूट गया है। कटिहार बंद है, फारबिसगंज से सहरसा बंद है, कोई रेल का आवागमन नहीं है और रोड यातायात भी बंद है। इसलिए हमारी केन्द्र सरकार से मांग है कि अधिक से अधिक सहायता वहां सीधे जिलों को भेजी जाए।

MR. SPEAKER: Thank you very much.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please co-operate. Shri Sushil Kumar Modi, I will call you. I assure you.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : अध्यक्ष महोदय, विगत दो दिनों से नेपाल से निकलने वाली नदियां कोसी, बूढ़ी गंडक, कमला बालान, बागमती और अध वाड़ा, लखनदेई, गंडक आदि सहायक नदियों में आई अप्रत्याशित बाढ़ के प्रकोप से उत्तरी बिहार के सीतामढ़ी, मधुबनी, दरभंगा, झंझारपुर, सुपौल, समस्तीपुर, सहरसा, कटिहार, मुजफ्फरपुर, पश्चिमी चम्पारण, भागलपुर, अररिया, पूर्णिया, खगड़िया आदि दर्जनों जिलों में त्राहि-त्राहि मची हुई है। इन नदियों में प्रलयंकारी बाढ़ के कारण हजारों गांव बाढ़ के कारण तबाही में फंसे हुए हैं और लाखों लोग बेघर हो गए हैं। बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में 1987 का जो लेवल था, वह भी पार हो गया है। वहां इस समय अप्रत्याशित बाढ़ की स्थिति है। प्रखंड मुख्यालय, जिला मुख्यालाय और राज्य मुख्यालय का सम्पर्क टूट चुका है. नेशनल हाईवे की सड़क टूट गई है और रेल यातायात बुरी तरह टूट चुका है। खासतौर से सीतामढ़ी, सुपौल, दरभंगा और सीवान जिलों की स्थिति तो लगातार भयावह बनती जा रही है। झंझारपुर में कमला नदी का पूर्वी तटबंध छः जगहों से और पश्चिमी पटरी तटबंध तीन जगहों से टूट गया है। कुल मिलाकर नौ स्थानों पर तटबंध टूट गए हैं। लोग ऊंच स्थानों पर, छतों पर और वृक्षों पर बैठे हुए हैं। इन बाढ़ प्रभावित लोगों में भुखमरी की स्थिति पैदा हो गई है। यहां तक कि प्राप्त सूचना के अनुसार दर्जनों लोगों की जानें जाने की सूचना भी मिली है। सम्पर्क टूट जाने से रेल यातायात भी बंद हो गया है। लोग चाहकर भी वहां नहीं जा सकते हैं। सभी बाढ़ प्रभावित लोग घिरे हुए हैं और ऊंचे टीलों पर शरण लिए हुए हैं। मैं चाहता हूं कि केन्द्र सरकार के गृह मंत्री जो डिसास्टर मैनेजमेंट भी देखते हैं, सदन में वक्तव्य देकर वहां तुरंत राहत कार्य शुरू कराएं और स्थिति का जायजा लेने के लिए एक केन्द्रीय टीम वहां भेजें। सेना के हेलीकाप्टर और नावों के द्वारा वहां युद्ध स्तर पर राहत सामग्री भेजी जाए। इसके अलावा पशुओं के लिए चारा भी उपलब्ध कराया जाए, ताकि बाढ़ पीड़ितों के जान-माल की रक्षा हो सके। इसलिए मैं मांग करता हूं कि सरकार आज ही सदन में इस पर वक्तव्य दे, क्योंकि बाढ़ से घिरे हजारों लोगों की मौत होने की आशंका है। वहां लोगों को फूड पैकेट नहीं मिल रहे हैं, क्योंकि हेलीकाप्टर का अभाव है। राज्य सरकार साधनहीन है, उसके पास हेलीकाप्टर नहीं है। इसलिए मिलिट्री के हेलीकाप्टर और बोट्स से वहां राहत सामग्री मुहैया कराई जाए। राज्य सरकार चाहकर भी कुछ नहीं कर सकती। इसलिए हम आपसे निवेदन करना चाहते हैं कि विशेा ध्यान देकर वहां जल्द कार्यवाही की जाए।

MR. SPEAKER: You have made your point.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I will make an observation later.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The hon. Minister is standing.

...(*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : हम चाहते हैं कि गृह मंत्री जी इसका जवाब दें और आज ही सकारात्मक बात करें।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Mr. Minister, please listen to others also.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please co-operate with me.

...(*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : हमारा अनुरोध है कि मंत्री जी इस पर वक्तव्य दे।

अध्यक्ष महोदय : बोलेंगे, बोलेंगे। आप बैठ जाइये।

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Are you prepared to skip the luncheon hour? I am prepared though I would not allow anybody except you. Why does everybody want to speak at the beginning?

श्रीमती रंजीत रंजन (सहरसा) : अध्यक्ष जी, बाढ़ का मुद्दा बहुत बड़ा है. हर साल हजारों घर बाढ़ में डूबते हैं और हर साल इस बाढ़ के कारण हजारों लोग बेघरबार होकर ऊपर के स्थानों की ओर पुनर्वास के लिए जाते हैं। सरकार द्वारा हर साल करोड़ों रुपये इस पर खर्च किये जाते हैं लेकिन इस बात की चर्चा नहीं होती है कि इसका स्थाई निदान क्या है। आज बिहार के 17 जिलों में बाढ़ आई हुई है जिसमें से 12 जिले पूरी तरह से जलमग्न हैं। मेरा संसदीय क्षेत्र निर्मली अनुमंडल पूरी तरह से जनमग्न हो गया है। नवहट्टा-सिमरी बख्तियारपुर बांध पर खतरा बढ़ चुका है। निर्मली-मरौना का पुराना बांध सुरक्षा की दृटि से काफी खतरनाक स्थिति में है। सहरसा-फारबिसगंज रेल खंड पर रेल गाड़ियों का चलना बंद हो गया है। राट्रीय राजमार्ग नम्बर 106 पर कई जगह पानी का दवाब बढ़ चुका है और कभी भी एनएच-106 टूट सकता है। मैं आपसे इतना ही कहूंगी कि इनके लिए राहत कार्य तो चलने ही चाहिए लेकिन मेरी सबसे बड़ी प्रार्थना यह है कि सरकार बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री जैसे प्लास्टिक पेपर, दवाइयां, शुद्ध पेयजल, मिट्टी का तेल, पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था तो करे ही लेकिन कोसी का जो हाई-डेम है, उसकी ओर भी सरकार का ध्यान जाए। हम उत्तर बिहार के जितने भी सांसद हैं कोसी बांध के लिए हर साल आवाज उठाते हैं लेकिन तब उठाते हैं जब कोसी की जनता उस विभिषिका को झेलती है। उसके बाद सभी सांसद चुप्पी साध लेते हैं। मैं आपसे रिक्वैस्ट करुंगी कि इस हाई-डैम की ओर सरकार का ध्यान जाए और इस साल जरूर उस हाई-डेम को बजट में लिया जाए और उस हाई-डेम के लिए पूरा अनुदान जारी किया जाए।

MR. SPEAKER: This is not a debate please. All right, you raised the matter.

श्रीमती रंजीत रंजन : हम इस मामले पर पूरे साल संसद में भी धरना देंगे और अपने क्षेत्र में भी धरना देंगे। आपने मुझे समय दिया, इसके लिए धन्यवाद।

MR. SPEAKER: I compliment on your maiden speech

प्रो. राम गोपाल यादव (सम्भल) : सरकार की तरफ से कोई वक्तव्य आना चाहिए।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I will give you an opportunity. I have already said that this is a serious matter. People are suffering. Hon. Members are rightly concerned. I am giving every hon. Member, at least from Bihar whosoever has given notices, an opportunity. Please co-operate.

SHRI UDAY SINGH (PURNEA): But please give the opportunity at the earliest.

MR. SPEAKER: Just by standing, you are doing something which is not right.

I am only saying that this is not a full debate on the issue. You will have an occasion to debate, but please refer your matter. I am allowing you. I am prepared to sit through the luncheon hour also.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Nitish Kumar, you are a very competent senior hon. Member. Please be brief.

श्री नीतीश कुमार (नालन्दा) : अध्यक्ष जी, सदन में बाढ़ की स्थिति के संबंध में जो वर्णन किया गया है उससे भी कहीं अधिक बाढ़ की स्थिति आज बिहार में है। बाढ़ की विभिषिका समाचार पत्रों के माध्यम से लोगों को ज्ञात हुई है और आज सदन भी अवगत हो रहा है और मुझे पूरी उम्मीद है कि सरकार को भी इसकी पूरी जानकारी होगी। इसके दो पक्ष हैं। पहला तो आज की परिस्थिति में युद्ध-स्तर पर राहत कार्य चलाया जाना चाहिए ताकि पीड़तों को सहायता मिल सके और वे सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाए जा सके। उनके लिए भोजन, पानी, दवा का प्रबंध हो सके। दूसरा पक्ष यह है कि उत्तर बिहार की बाढ़ की समस्या नेपाल से निकलने वाली नदियों से पैदा होती है।

जब तक उन बान्धों को बान्धने की योजना पर अमल नहीं होगा, तब तक जो त्रासदी है, उससे मुक्ति नहीं मिल सकती है। आजादी के बाद से इस बात के लिए प्रयत्न हो रहे हैं और जनप्रतिनिधि सवाल उठा रहे हैं। मुझे अच्छी तरह से मालूम है, जब केन्द्र में एनडीए की सरकार थी और हम लोग उस समय सरकार में थे, केन्द्र में मंत्री रहते हुए भी, बिहार सरकार के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में एक सर्वदलीय शिटमंडल में शामिल होकर तत्कालीन प्रधान मंत्रीजी से मिले थे। हम लोग उस शिटमंडल में शामिल हुए थे और संसद सदस्य शामिल हुए थे। हम सभी ने मिलकर इस सवाल को उठाया था। उस समय की सरकार के ध्यान में यह बात लाई गई थी और कुछ आश्वासन भी दिया गया था। बिहार सरकार ने कहा था कि कम से कम कोसी के मसले पर बात आगे बढ़नी चाहिए और इस संबंध में आश्वासन भी मिला था। सदन में जलसंसाधन मंत्री जी बैठे हुए हैं, वे इस बात से अवगत हैं और सारा सदन इस बात से अवगत है कि यह अन्तरराट्रीय मसला है और नेपाल से बातचीत करके यह समस्या हल हो सकती है। हम आग्रह करेंगे कि इस समस्या का स्थाई समाधान निकले। सरकार अपनी समूची कूटनीतिक शक्ति और कौशल इस्तेमाल करे, ताकि बिहार को इस त्रासदी से छुटकारा दिलाया जा सके।

दूसरी बात यह है कि केन्द्र और राज्य दोनों आपके हैं, इसलिए किसी को तकलीफ होती है, तो उसके लिए आपको जवाबदेह होना पड़ेगा। हम भी यह मांग कर रहे हैं कि वहां तत्काल केन्द्र की एक टीम जाए, एसैसमेंट करे और जो सहायता चाहिए, वह सीआरएफ से दी जाए।â€¦ (व्यवधान)इसमें क्यों डिवाइड हो रहे हैं। श्री राम कृपाल जी इसमें ऐसी कौन सी बात है, ऐसी कौन सी डिवाइड करने वाली चीज है, जो डिवाइड कर रहे हैं â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Nitish Kumar, please address the Chair.

...(*Interruptions*)

श्री नीतीश कुमार : आवश्यकता पड़े, तो जरूर बोलिए। लेकिन इसमें ऐसी क्या बात है। सब अनावश्यक बोल रहे हैं।â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: We are all friends here. Do not get derailed; please address the Chair.

...(*Interruptions*)

श्री नीतीश कुमार : कभी कोई मामला है, तो ठीक है। लेकिन इसमें ऐसा क्या मामला है, ऐसा कौन सा मतभेद है। जब केन्द्र में हमारी सरकार थी, केन्द्र में मंत्री रहते हुए भी, बिहार सरकार के शिटमंडल में शामिल हुए थे। मंत्री रहते हुए भी शामिल हुए थे, इसमें ऐसा कौन सा मतभेद है। इस समस्या का समाधान होना चाहिए। कैलेमिटी रिलीफ फन्ड से जो पैसा दिया गया है, वह पर्याप्त नहीं है, केन्द्रीय सरकार को अतिरिक्त पैसा देना चाहिए। यहां से तत्काल एक टीम भेजी जाए, जो एसैसमेंट करे। हम चाहेंगे कि जलसंसाधन मंत्री जी सदन में वक्तव्य दें। केन्द्रीय सरकार नेपाल से इस प्रोजैक्ट के बारे में बातचीत करे। हम यह भी जानना चाहेंगे, केन्द्र में नई सरकार आई है, वह इस दिशा में क्या कदम उठा रही है? हम यह भी चाहेंगे कि कृषि मंत्री जी बाढ़ के संबंध में सदन में विस्तृत विवरण दें और बतायें कि वे क्या कदम उठा रहे हैं?

MR. SPEAKER: Next, Shri Sushil Modi. Almost all the issues have been covered. So, please do not repeat any point. Please be brief.

श्री सुशील कुमार मोदी (भागलपुर) : अध्यक्ष महोदय, सदन में बिहार की स्थिति के बारे में वर्णन किया गया है। दरभंगा और मधुबनी शहर में पानी प्रवेश कर गया है। सीएम के बंगले में, अस्पताल में, अरहरिया के शहर में भी पानी प्रवेश कर गया है। लेकिन दुःख की बात है कि राज्य सरकार राहत कार्य चलाने मे पूरी तरह से विफल रही है। नाममात्र वहां पर राहत कार्य चल रहे हैं। मैं सरकार से मांग करता हूं कि बिहार के जो 12 जिले प्रभावित हुए हैं, उनको तत्काल सेना के हवाले कर दिया जाए। सेना वहां पर राहत के कार्य चलाए। राहत कार्य प्रदान करना राज्य सरकार के बूते की बात नहीं है। वहां पर नावों की बहुत कमी हो गई है। कारण यह है कि नाव वालों की पिछले पांच साल की बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया। नाव वाले नाव देने से मना कर रहे हैं। मेरा सुझाव है कि उन्हें ऊंचे दाम देकर फिलहाल काम को किया जाए। बिहार में जो तटबन्ध टूट गए हैं, उनको पुनः निर्मित करने का काम प्रारम्भ नहीं किया गया है। तटबन्धों को बनाने का काम बिहार सरकार शुरु करे। â€¦(व्यवधान)बिहार में जमींदारी तटबन्धों का कोई मां-बाप नहीं है। सरकार कहती है कि हम जमींदारी तटबन्धों की देखरेख नहीं करेंगे। पचासों जगहों पर तटबन्ध टूट गए हैं। â€¦(व्यवधान)बजट में केवल 30 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया हैâ€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : बजट चर्चा में आप इसकी आलोचना कीजिए। अभी तो यह अर्जैन्ट मेटर है। It is an urgent matter. Let the Minister respond.

...(व्यवधान)

श्री सुशील कुमार मोदी : बजट में केवल 30 करोड़ रुपए का प्रावधान है। मैं चाहता हूं कि इस कार्य को सेना के हवाले कर देना चाहिए, जिससे युद्धस्तर पर राहत कार्य चलाए जा सकें। â€¦(व्यवधान)बिहार सरकार राहत कार्य चलाने में विफल रही हैâ€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Prabhunath Singh, you have not given a notice on this. Please take your seat.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The hon. Minister wants to intervene.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have given everybody an opportunity. I am trying to help you by getting the hon. Minister to reply to you.

...(*Interruptions*)

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) : महोदय, सदन में बाढ़ से संबंधित विाय हैâ€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपका कोई नोटिस नहीं है।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I will come to Assam separately.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: As I told earlier, I will come to Assam separately. Please hold patience. If you do not want to listen to the hon. Minister I will go to another subject.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I will request Shri Prabhu Nath Singh to sit down. Shri Prabhu Nath Singh, you have not given any notice on this subject.

...(*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, मेरा भी इस बारे में नोटिस है। रु□□(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः प्रभुनाथ जी, आपका नोटिस नहीं है।

â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I am trying to get a response from the hon. Minister. You are objecting to it.

THE MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI): Sir, the concern expressed by distinguished Members Shri Sukdeo Paswan, Shrimati Ranjeet Ranjan, Shri Devendra Prasad Yadav and Shri Sushil Kumar Modi ...(*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : मेरा नाम नहीं लिया।

श्री प्रिय रंजन दासमुंशी : अध्यक्ष महोदय, मैंने कहा कि आदरणीय सुकदेव पासवान, श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव, श्रीमती रंजीत रंजन, श्री नीतीश कुमार और श्री सुशील मोदी जी ने बिहार की बाढ़ के बारे में उल्लेख किया। â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: This is a serious matter and you are indulging in all these frivolities.

...(*Interruptions*)

श्री प्रिय रंजन दासमुंशी : उन्होंने जिस प्रकार की चिन्ता प्रकट की, उससे सरकार, पूरा सदन और मैं भी सहमत हूं। बिहार में बाढ़ की स्थिति गम्भीर ही नहीं, मैं कहूंगा कि भयानक है। इस आपदा का मुकाबला करने के लिए हम दृढ़संकल्प हैं। मैं इतनी बड़ी आपदा के साथ असम को भी जोड़ना चाहता हूं। मनमोहन सिंह जी के नेतृत्व में यूपीए सरकार इस बारे में कटिबद्ध है। हम मिल कर, लोगों को राहत पहुंचा कर, इस स्थिति का मुकाबला करेंगे, जहां तक बिहार सरकार का सवाल है, बिहार की मुख्यमंत्री, असम के मुख्यमंत्री और बिहार के चीफ सैक्रेटरी ने पिछले 48 घंटे से भारत सरकार के प्रधान मंत्री और संबंधित मंत्रालयों के साथ सम्पर्क ही नहीं किया बल्कि वहां तुरन्त राहत कार्य पहुंचाने की और सेना को भेजने की मांग की। वहां तुरन्त राहत कार्य पहुंचाने के लिए चीफ सैक्रेटरी महोदय 9 आइटम्स हमारे सामने पेश कर चुके हैं। मैं अभी आपके सामने दो विाय रखना चाहता हूं। जैसा कि बहन जी रंजीत रंजन जी ने कोसी को लेकर अपनी बात प्रारम्भ की जिस का नीतीश जी ने भी जिक्र किया। यह बात सही है कि हमारी इस संबंध में नेपाल सरकार के साथ पिछले बीस साल से बातचीत चल रही है। मैं सदन को खुशी की एक खबर देना चाहता हूं कि पिछले बीस साल से सनकोशी और सत्तकोशी के बारे में नेपाल के साथ जो बातचीत चल रही थी, मैंने मंत्री पद की शपथ के 15 दिन बाद ही इन परियोजनाओं की डीपीआर बनाने का सिगनल देकर 30 करोड़ रुपया दे दिया। डीपीआर बनते ही इन परियोजनाओं को लागू करने के लिए हम प्लानिंग कमीशन के दरवाजे तक पहुंचेंगे। जहां तक कमला बालान और बागमती का सवाल है, उसके बारे में देवेन्द्र जी ने कहा कि उसके कारण कारण भयंकर बाढ़ आई। कमला बालान और बागमती के ऊपर नेपाल सरकार अपना डैम बनाना चाहती है। अगर वह वहां डैम बनाती है तो हमारे यहां सूखाड़ आ जाएगा और यदि हम उन्हें डैम नहीं बनाने देते हैं तो उनको प्रॉबलम होगी। इसलिए इस बारे में बातचीत जारी है। मैं सदन को आश्वासन देता हूं कि हम इसके बारे में तुरन्त कदम उठाएंगे ताकि बात सकारात्मक रूप से सामने आए। बिहार सरकार की जो मांगें हैं, मैं उनका उल्लेख करना चाहता हूं :

1. "50,000 MT of rice and 50,000 M.T. of wheat for GR purposes.
2. Polythene - 10 lakh pieces (of 5x5 Meter dimension) to provide temporary shelter.
3. Tents - 5,000 pieces
4. Fodder- five rakes (one each to the affected Districts)
5. H.S./B.Q./F.M.D. Vaccines - five lakh units each for cattle.
6. Satellite telephones (hand held) five sets to connect Sitamarhi/Sheohar/three state H.Q. reserve.
7. Halogen Tablets - 50 lakhs.
8. K. oil - ten lakh litres as additional allocation for flood affected Districts.
9. Emergency lights with gen-sets for relief camps.
10. Army boat"

उन्होंने जो मांगें की हैं, मैं जिम्मेदारी के साथ कहना चाहता हूं कि सरकार इसके ऊपर तुरन्त कदम उठाने जा रही है। जहां तक मेरे मंत्रालय का सवाल है, मैंने सैंट्रल वाटर कमीशन को सुबह निर्देश दिया कि वह तुरन्त टैक्निकल सहायता के लिए असम और पटना जाए। मैं आश्वासन देता हूं कि मैंने सीडबल्यूसी को 24 घंटे में से 12 घंटे के हिसाब से मॉनिटरिंग करने के लिए निर्देश दिया है। हमारी हर 12 घंटे टैक्निक्ल मॉनिटरिंग चलेगी ।हमारी सरकार बाकी दफ्तरों से जुड़ी हुई है। वे भी युद्ध-स्तर पर स्थिति का समाना करने के लिये एकजुट होकर काम करेंगे। हमारी सेना भी इस काम में लगी हुई है।

MR. SPEAKER : Shri Kirip Chaliha to speak now.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : No, full answer has been given. Shri Chaliha to speak now.

SHRI KIRIP CHALIHA (GUWAHATI) : Thank you, Mr. Speaker. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Assam is also suffering. Please allow the hon. Member from Assam to speak.

SHRI KIRIP CHALIHA : Thank you very much for being a little considerate to the grievances of Assam. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : No, you cannot put a question. I requested the hon. Minister. He has intervened. He has given a reply. You cannot go on making a running commentary.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Nothing except the speech of Shri Kirip Chaliha will be recorded.

*(Interruptions)**

SHRI KIRIP CHALIHA : Sir, the flood situation in Assam has become very grim over the last week. ...(*Interruptions*) Sir, what is this? ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : There is also a serious problem in Assam. Hon. Friends, please allow him to speak. Assam is a part of our country. I have allowed everybody from Bihar. Shri Chaliha to please speak now.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Please do not disturb him. No, this is not fair. Shri Chaliha, you go ahead.

...(*Interruptions*)

SHRI KIRIP CHALIHA : Sir, what is this? Do they not want us to speak?

MR. SPEAKER : You address the Chair.

SHRI KIRIP CHALIHA : The situation in Assam has become very grim over the last one week. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : It is unfortunate. I am giving everybody an opportunity. It is a serious matter. I have admitted it. The hon. Minister has responded.

...(*Interruptions*)

SHRI KIRIP CHALIHA : Sir, over the years, Assam has been repeatedly suffering. ...(*Interruptions*) Assam has been repeatedly facing floods. Floods have been an annual calamity for us. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Except what Shri Kirip Chaliha is speaking, nothing will go on record.

*(Interruptions) **

श्री हेम लाल मुर्मू (राजमहल) : अध्यक्ष महोदय, हमारा क्षेत्र भी उसमें आ रहा है।

*(Interruptions) **

SHRI KIRIP CHALIHA : Sir, the people of Assam know how to live and fight with the floods. This has been a regular feature. I am very sorry to submit to this House that except for Shrimati Indira Gandhi who set up the Brahmaputra Board in 1980 and Shri Rajiv Gandhi who, as Prime Minister, in 1988 personally visited the flood affected places and went to the relief camps personally wearing gum boots, no Prime Minister has given enough attention to Assam.

MR. SPEAKER : Please come to the present condition.

SHRI KIRIP CHALIHA : That is why the perennial problem of flood has continued to be here and the State has started to languish. No long-term strategy has been drawn up. No plans have been implemented. The Brahmaputra Board which is supposed to be the nodal agency to control floods in Assam has become a white elephant. As a result of this, flood has become a regular feature in the last two months there were incessant rains and the rains in Arunachal Pradesh have inundated about three thousand villages. About three million people are now in helpless condition. The State Government is working at an emergency level. We need immediate help. The aerial survey has been promised. We need seven Army helicopters immediately. The State Government of Assam has requested for this from the Centre. We need 300 rubber boats immediately. We need relief immediately. We need medical relief.

An amount of Rs. 50 crore has been sanctioned by the State Govt. But even the Budget allocation of Rs. 30 crore is nothing. The repair and rehabilitation work also should be done.

MR. SPEAKER : You have made your point.

* Not Recorded.

SHRI KIRIP CHALIHA : Sir, we want the hon. Minister to respond. In fact, we would like the hon. Minister to visit Assam immediately, take stock of the situation. We want urgent and immediate steps to be taken to deal with the situation right now and also a long-term strategy to deal with the flood situation once and for all. Let there be some strong initiative. We urge upon you to at least initiate a full-scale discussion on the situation.

MR. SPEAKER : Hon. Minister, would you like to intervene?

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI: Yes sir.

I would like to respond to the just concerns of hon. Member Shri Kirip Chaliha. It is a fact that the Chief Minister of Assam is already in touch with the Government and no less than our hon. Prime Minister has intimate interactions with him pertaining to the latest situation. I can inform the hon. Member that as early as my parliamentary obligation of answering questions in the Rajya Sabha tomorrow is over, I will personally take the technical study and technical help and assistance programme of my Department for Assam and Bihar immediately. More so, I will convey the points he made to the appropriate desk of the Defence Ministry pertaining to defence assistance. So far as relief and other support is concerned, our Government is actively responding to the matter right from yesterday. ...(Interruptions)

MR. SPEAKER : Shri Ramji Lal Suman to speak now.

SHRI LALIT MOHAN SUKLABAIDYA (KARIMGUNJ) : Sir, I have got a very important point to make. My notice is there. ...(Interruptions)

MR. SPEAKER : No. I have been too indulgent. Shri Ramji Lal Suman, please be brief and to the point.

SHRI LALIT MOHAN SUKLABAIDYA : Sir, I have also given notice. ...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Your very distinguished Member has raised the same issue. You may please associate yourself. Your name will be recorded.

...(Interruptions)

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF HEAVY INDUSTRIES & PUBLIC ENTERPRISES (SHRI SONTOSH MOHAN DEV): Sir, Barak Valley is also cut off. ...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Shri P.R. Dasmunsi, Barak is also included. Please take note of it.

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI: Sir, I take note of it.

SHRI LALIT MOHAN SUKLABAIDYA : Sir, I have given notice. ...(Interruptions)

MR. SPEAKER: I have directed the Minister. What more do you want?

...(Interruptions)

श्री प्रमुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह तो बिना नोटिस वाली सीट है। आप यहां रहते थे तो आपको बिना नोटिस के बोलने का मौका मिलता था। इसलिए हम वहां से उठकर यहां चले आए कि हमें मौका मिले।

अध्यक्ष महोदय : कल मौका मिलेगा।

...(*Interruptions*)

SHRI SARBANANDA SONOWAL (DIBRUGARH): Sir, the problem of flood and erosion in Assam should be declared as a national problem. The Government of Assam has been demanding Rs. 1,200 crore as grant to the State of Assam. When will the Government of India decide to give this grant? That is to be ensured by the hon. Minister. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: He has promised. He is looking into it.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Ramji Lal Suman.

...(*Interruptions*)

SHRI LALIT MOHAN SUKLABAIDYA : Mr. Speaker, Sir, I want to raise a very important point regarding floods in

Assam. I have given a notice also. My name should be recorded. The supply line of Barak Valley is cut off. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I am saying that your name is already recorded.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: If you disturb each other, you are only wasting time. Please co-operate with the Chair. Last Friday, I allowed 25 matters to be raised.